Department : HINDI		
Academic Year : 2022-23		
Sr. No.	**Programme Code**	**Name of the Programme**
01.		MA IV

Sr. No.	Name of the Student	Title of the Project / Internship	Page No.
1.	रामकुमारी	अमृतलाल वेगड़ की नर्मदा-यात्रा (संदर्भ : सौंदर्य की नदी नर्मदा)	2-5
2.	अंशु	"नगाड़े की तरह बजते शब्द" में स्त्री-चेतना	6-9
3.	अलका गढ़ेवाल	हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री-चिंतन	10-13
4.	मनीषा गंधर्व	हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श	14-17
5.	सावित्री कोल	बघेली लोकगीतों का अनुशीलन	18-21
6.	सोनिया मरावी	अन्या से अनन्या में अभिव्यक्त स्त्री चेतना के स्वर	22-25
7.	सोनु नायक	'ग्लोबल गाँव के देवता' में आदिवासी अस्मिता का स्वरूप और विश्लेषण	26-29
8.	तनुजा सोनवानी	प्रेमचंद की स्त्री केन्द्रित कहानियों में स्त्री चेतना	30-33

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature and Seal of the Head

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

अमृतलाल वेगड़ की नर्मदा-यात्रा

(संदर्भ : सौंदर्य की नदी नर्मदा)

स्नातकोत्तर हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
रामकुमारी
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
ना. सं.- GGV/18/8228

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं **रामकुमारी** यह घोषणा करती हूँ कि **"अमृतलाल वेगड़ की नर्मदा-यात्रा (संदर्भ : सौन्दर्य की नदी नर्मदा)"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अखिलेश गुप्ता**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 14/08/2023

प्रस्तुतकर्ता
रामकुमारी
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर
नामांकन संख्या- GGV/18/8228

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **रामकुमारी** ने मेरे मार्गदर्शन में **"अमृतलाल वेगड़ की नर्मदा-यात्रा (संदर्भ : सौन्दर्य की नदी नर्मदा)"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है और उनका यह मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 14-08-2023

मार्गदर्शक

डॉ. अखिलेश गुप्ता

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv-v
अध्याय 1. अमृतलाल वेगड़ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	1-6
अध्याय 2. यात्रा-वृत्तांत का संक्षिप्त परिचय	7-16
अध्याय 3. नर्मदा तट पर स्थित ग्राम्य जीवन-शैली	17-27
अध्याय 4. नर्मदा नदी का धार्मिक एवं भौगोलिक महत्त्व	28-34
अध्याय 5. अमृतलाल वेगड़ की दृष्टि में नर्मदा का सौंदर्य	35-39
अध्याय 6. उपसंहार	40-43
संदर्भ-सूची	44

(क) आधार-ग्रंथ

(ख) सहायक ग्रंथ

(ग) वेबसाइट लिंक

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

"नगाड़े की तरह बजते शब्द" में स्त्री चेतना

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अंशु
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग
ना. सं.- GGV/21/00301

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, अंशु यह घोषणा करती हैं कि **"नगाड़े की तरह बजते शब्द में स्त्री चेतना"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 07/08/2023

अंशु पाल

प्रस्तुतकर्ता

अंशु

एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

नामांकन संख्या- GGV/21/00301

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **अंशु** ने मेरे मार्गदर्शन में **"नगाड़े की तरह बजते शब्द में स्त्री चेतना"** विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 07/08/2023

मार्गदर्शक

डॉ. अनीश कुमार

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

Scanned with CamScanner

विषयानुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
घोषणा पत्र	i
प्रमाण पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv-vii
अध्याय एक : आदिवासी : अर्थ व स्वरूप	1-14
1.1 आदिवासी का अर्थ व परिभाषा	
1.2 आदिवासी समाज का सामान्य परिचय	
1.3 आदिवासी साहित्य का सामान्य परिचय	
अध्याय दो : हिंदी साहित्य में विमर्श : सामान्य परिचय	15-29
2.1 आदिवासी विमर्श	
2.2 स्त्री-विमर्श	
2.3 दलित विमर्श	
अध्याय तीन : निर्मला पुतुल की कविताओं में स्त्री	30-42
3.1 आदिवासी स्त्री	
3.2 भारतीय स्त्री	
3.3 आदिवासी सौंदर्यबोध	
अध्याय चार : निर्मला पुतुल की कविताओं में समाज	43-57
4.1 आदिवासी अस्मिता	
4.2 समाज में स्त्री और स्त्री का समाज	
4.3 संस्कृति में स्त्री	
अध्याय पाँच : निर्मला पुतुल की कविताओं की भाषा	58-66
5.1 भाषा का स्वरूप	
5.2 शैली	
5.3 भाषा का स्त्री पक्ष	
उपसंहार	67-69
संदर्भ-सूची	70-72

Scanned with CamScanner

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चिंतन

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु-शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

शोध-मार्गदर्शक
डॉ. लोकेश कुमार
सहायक प्राध्यापक,हिन्दी

विभागाध्यक्ष
डॉ.गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक,हिन्दी विभाग

अलका
प्रस्तुतकर्ता
अलका गढ़ेवाल
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009,क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं अलका गढ़ेवाल यह घोषणा करती हैं कि "हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चिंतन " विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध- प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किआ गया है। यह शोध-कार्य मैंने डॉ.लोकेश कुमार,सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमो का पालन किया है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक: -14-8-2023

अलका

प्रस्तुतकर्ता
अलका गढ़ेवाल
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अलका गढ़ेवाल ने मेरे मार्गदर्शन में "हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चिंतन " विषय पर अपना लघु-शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोधविद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक: 14/08/2023

शोध-मार्गदर्शक
डॉ. लोकेश कुमार
सहायक प्राध्यापक,हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चिंतन

- भूमिका

अध्याय – एक

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में नारी जीवन

1.1 चारु चंद्रलेख

1.2 पुनर्नवा

1.3 अनामदास का पोथा

अध्याय – दो

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री समस्या

2.1 अपहरण की समस्या

2.2 विधवा समस्या

अध्याय – तीन

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में स्त्री चेतना

- उपसंहार

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

हिन्दी साहित्य में किन्नर विमर्श

स्नातकोत्तर (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न–पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

सत्र : 2022–23

शोध –मार्गदर्शक
14.8.23
डॉ. राजेश मिश्र
सहायक प्रध्यापक
हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
मनीषा गन्धर्व
स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
गु.घा. वि.वि. बिलासपुर
ना.क्र.GGU/18/0104
रोल नंबर 21005103

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009, कमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर,छत्तीसगढ़, भारत

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं मनिषा गन्धर्व यह घोषणा करती हूँ कि "**हिन्दी साहित्य में किन्नर विर्मश**" विषय पर प्रस्तुत यह लघु–शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है इसे अंशतः या पूणर्तः किसी अन्य विश्वविद्यायल या संस्थान में किसी भी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. राजेश मिश्र, सहायक प्राध्यापक हिन्दी विभाग, गुरूघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं यह भी घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु–शोध प्रबंध को पूरा करने में मैनें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया।

स्थान :– बिलासपुर
दिनांक :– 14-8-2023

प्रस्तुतकर्ता
मनिषा गन्धर्व
स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
हिन्दी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि मनिषा गन्धर्व ने मेरे मार्गदर्शन में **"हिन्दी साहित्य में किन्नर विर्मश"** विषय पर अपना लघु–शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु–शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संबंधित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किय जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान :– बिलासपुर

दिनांक :– 14/8/2023

शोध मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र 14/08/23
सहायक प्रध्यापक
हिन्दी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

भूमिका

उत्तर आधुनिक विमर्श का दौर आने पर हिंदी साहित्य सृजन और समीक्षा के क्षेत्र में परिधि का केन्द्र की ओर सरकने का जो क्रम शुरू हुआ था, उसके काफी अच्छे परिणाम निकले हैं। कल तक जो समुदाय और मुद्दे साहित्य–चिंतन के हशिए पर थे तथा जिनकी निरंतर उपेक्षा हुई थी, वे नए–नए कई केंद्रों के रूप में उभर कर सामने आए। इससे हिंदी साहित्य की एक केंद्रीयता टूटी और समाज की बहुलता के अनुरूप साहित्य में लोकतंत्र संभव हुआ। स्त्री, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी विमर्श इसी नई प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप प्रकट और विकसित हुए। साथ ही, हशिया कृत विमर्श के भी हशिए पर इधर क्रमशः जो अन्य विमर्श उभरे हैं या उभर रहे हैं, उनमें तृतीय लिंगी विमर्श और समलैंगिक विमर्श खास तौर पर ध्यान खींचने वाले है।

"किन्नर विमर्श : समाज और साहित्य" शीर्षक इस ग्रंथ में किन्नर विमर्श के तमाम पहलुओं को समेटने का बहुत सफल प्रयास किया गया है। संपादक मिलन बिश्नोई स्वयं अत्यंत संभावनापूर्ण युवा कवयित्री हैं। उन्होंने एमफिल और पीएच–डी के स्तर पर अपने शोध कार्य के लिए "**किन्नर विमर्श**" को चुनकर हशिए के इस समुदाय के प्रति अपनी संवेदशीलता को क्रियात्मक रूप प्रदान किया है। इसमें संदेह नहीं कि यह ग्रंथ अपने शोध–कार्य के प्रति मिलन बिश्नोई की गहन निष्ठा का परिणाम हैं। देश भर के विविध विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों से जुड़े बहुत से शिक्षकों, शोधार्थियों और साहित्य अध्येताओं ने इस ग्रंथ के लिए अपने आलेख उपलब्ध कराए, इस हेतु सभी सम्मिलित लेखकों सहित संपादक और प्रकाशक को पुनः साधुवाद और बधाई। मुझे पूरा विश्वास है कि सर्वथा नई ज़मीन तोड़ने वाले इस विचारोत्तेजक ग्रंथ का हिंदी जगत में यथोचित स्वागत और सम्मान होगा।

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

बघेली लोकगीतों का अनुशीलन

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सावित्री कोल
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग
ना. सं.- GGV/21/00302
रोल न.21005105

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, सावित्री कोल यह घोषणा करती हूँ कि 'बघेली लोक गीतों का अनुशीलन' विषय पर प्रस्तुत यह लघु-षोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अषतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैने डॉ. मुरली मनोहर सिंह, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध को पूरा करने में मैने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक: 14/08/23

प्रस्तुतकर्ता

सावित्री कोल

एम.ए.(हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

ना. सं.- GGV/21/00302

रोल न.21005105

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण–पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सावित्री कोल ने मेरे मार्गदर्शन में बघेली लोकगीतों का अनुशीलन विषय पर अपना लघु–शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु–शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मै इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किय जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 14/08/23

शोध मार्गदर्शक
श्री मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv-v
प्रथम अध्यायः लोक एवं गीत 1.1 प्रस्तावना 1.2 लोक साहित्य का अर्थ एवं परिभाषा 1.3 लोक एवं गीत का अंतर संबंध	1-4
द्वितीय अध्यायः बघेलखण्ड का ऐतिहासिक भौगोलिक परिदृष्य 2.1 बघेलखण्ड का सामान्य जनजीवन 2.2 बघेलखण्ड की सामाजिक संरचना 2.3 बघेलखण्ड का ऐतिहासिक परिदृष्य	5-9
तृतीय अध्यायः बघेली लोकगीत 3.1 बघेली लोकगीत के प्रकार 3.2 लोकगीतों की विशेषताएँ	10-36
उपसंहार	37
संदर्भ ग्रन्थ सूची	38-40

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

अन्या से अनन्या में अभिव्यक्त
स्त्री चेतना के स्वर

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सोनिया मरावी
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग
ना. सं.- GGV/21/00303

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

Scanned with CamScanner

घोषणा पत्र

मैं, सोनिया मरावी यह घोषणा करती हूं कि 'अन्या से अनन्या में अभिव्यक्त स्त्री चेतना के स्वर' विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैने डॉ. अतुल कुमार, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान :- बिलासपुर

दिनांक :- 14/08/2023

Smaroj

भवदीय

सोनिया मरावी

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

नामांकन क्रमांक - GGV/21/00303

रोल नंबर - 21005106

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सोनिया मरावी ने मेरे मार्गदर्शन में 'अन्या से अनन्या में अभिव्यक्त स्त्री चेतना के स्वर' विषय पर अपना लघु-शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान :-बिलासपुर

दिनांक :- 14/08/2023

मार्गदर्शक अतुल 14.08.2023

डॉ. अतुल कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	iv-v
प्रथम अध्याय :- आत्मकथा का अर्थ एवं स्वरूप	1-9
द्वितीय अध्याय - हिन्दी साहित्य में आत्मकथा	10-22
तृतीय अध्याय - विमर्श में आत्मकथा	23-31
चतुर्थ अध्याय - हिन्दी साहित्य में स्त्री लेखन की स्थिति	32-39
पंचम अध्याय - स्त्री विमर्श और अन्या से अनन्या	40-47
उपसंहार	48
संदर्भ ग्रंथ सूची	49-50

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

'ग्लोबल गाँव के देवता' में आदिवासी अस्मिता का स्वरूप और विश्लेषण

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

शोध-मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

Sonu Naik
प्रस्तुतकर्ता
सोनु नायक
एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र. - GGV/21/00304

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, **सोनु नायक** यह घोषणा करता हूँ कि **"'ग्लोबल गाँव के देवता' में आदिवासी अस्मिता का स्वरूप और विश्लेषण"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह लघु शोध-कार्य मैंने **डॉ. गौरी त्रिपाठी,** एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक : 08/08/2023

प्रस्तुतकर्ता

Sonu Naik

सोनु नायक
एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
नामांकन क्रमांक- GGV/21/00304
अनुक्रमांक- 21005107

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **सोनु नायक** ने मेरे मार्गदर्शन में **"'ग्लोबल गाँव के देवता' में आदिवासी अस्मिता का स्वरूप और विश्लेषण"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक: 08/08/2023

शोध-मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र i

प्रमाण पत्र ii

आभार iii

भूमिका iv- vii

प्रथम अध्याय : आदिवासी साहित्य का सामान्य परिचय 01- 12

1.1 आदिवासी : अर्थ, स्वरूप

1.2 आदिवासी साहित्य : सामान्य परिचय

1.3 रणेन्द्र का साहित्य

द्वितीय अध्याय : आदिवासी विमर्श 13- 24

2.1 आदिवासी जीवन और समाज

2.2 आदिवासी संस्कृति

2.3 आदिवासी परिवेश

तृतीय अध्याय : 'ग्लोबल गाँव के देवता' और आदिवासी अस्मिता 25- 37

3.1 आदिवासी अस्मिता

3.2 लोक-संस्कृति

3.3 आदिवासी स्त्री

चतुर्थ अध्याय : भाषा एवं शिल्प योजना 38- 48

4.1 भाषा

4.2 शिल्प विधान

4.3 संवाद योजना

उपसंहार 49- 52

संदर्भ-सूची 53- 54

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रेमचंद की स्त्री केन्द्रित कहानियों में स्त्री चेतना

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2022-23

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
तनुजा सोनवानी
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग
ना. क्र.- GGV/21/00305

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, **तनुजा सोनवानी** यह घोषणा करती हूँ कि **"प्रेमचंद की स्त्री केन्द्रित कहानियों में स्त्री चेतना"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध प्रबंध मेरे द्ववारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे असतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने **डॉ. रमेश कुमार**, सहायक प्रध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध को पूरा करने मे मैंने विश्वविद्यालय के शोध सम्बन्धी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक: 14.08.23

Tanuja Sonwani
प्रस्तुतकर्ता

तनुजा सोनवानी
एम.ए., चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर
ना. क्र.- GGV/21/00305
अनुक्रमांक-21005108

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि तनुजा सोनवानी ने मेरे मार्गदर्शन में **"प्रेमचंद की स्त्री केंद्रित कहानियों में स्त्री चेतना"** विषय पर अपना लघु शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मै इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ

स्थान : बिलासपुर

दिनांक: 14/08/2023

मार्गदर्शक

डॉ. रमेश कुमार गोहे

सहायक प्राध्यापक

हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iv
भूमिका	v
प्रथम अध्याय : प्रेमचंद का व्यक्तित्व और कृतित्व : सामान्य परिचय	1-11
1.1 व्यक्तित्व: सामान्य परिचय	
1.2 कृतित्व: सामान्य परिचय	
1.3 प्रेमचंद के स्त्री पात्र: सामान्य परिचय	
द्वितीय अध्याय : प्रेमचंद की स्त्री केन्द्रित कहानियों में स्त्री चेतना	12-29
2.1 भारतीय समाज में स्त्री	
2.2 परिवार में स्त्री	
2.3 स्त्रियों के विविध रूप	
2.4 पात्र चरित्र चित्रण	
तृतीय अध्याय : कहानियों का शिल्प और भाषिक योजना	30-39
3.1 शिल्प योजना	
3.2 भाषा: स्त्री के संदर्भ में	
3.3 संवाद योजना	
चतुर्थ अध्याय : उपसंहार	40-42
संदर्भ-सूची	43-44

Scanned with CamScanner